an>

title: Need to take steps to provide irrigation facilities in Korba-Koriya areas of Chhatisgarh state.

डॉ. बंशीलाल महतो **(कोरबा) :** माननीय उपाध्यक्ष जी, इस सदन में आज मैं किसानों के हित की एक विशेष बात को कहने के लिए खड़ा हुआ हूं। छत्तीसगढ़ में सिंचाई का प्रतिशत बहुत ज्यादा नहीं है लेकिन फिर भी औसत में 33 परसेंट के करीब है। तत्कालीन मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री वीरेन्द्र कुमार सखलेचा जी ने छत्तीसगढ़ की प्रमुख हसदो बारहमासी नदी पर हंसदेव बांगो मिनिमाता बांध का निर्माण करवाया। इसका रिजर्वायर बहुत ज्यादा है। यहां पानी बहुत इकट्ठा होता है। यह बहुत उपयोगी बांध है। देश की ऊंचाई और कलैंक्शन में पांचवें-छठे नंबर पर आता है। कोरबा जिले से नदी निकलती है इसके बावजूद भी कोरबा जिले को सिंचाई में केवल पांच से सात प्रतिशत फायदा हो रहा है। इसके बाकी पानी का उपयोग उद्योग के लिए होता है और इसका पानी जांजगीर,चांपा, रायगढ़ जिले के लिए प्रवाहित होता है। हमारे जिले में नदी का तीन-चौथाई हिस्सा बहता है। इसके पानी का उपयोग कोरबा जिले में नहीं हो रहा है। छत्तीसगढ सरकार इस विषय में बहुत संवेदनशील है कि हंसदेव बांगो बांध का पानी कोरबा जिले को मिले क्योंकि कोरबा जिले में ही उदगम है। कोरबा जिले में हंसदेव नदी का तीन-चौथाई हिस्सा बहता है। कोरबा जिले में सिंचाई की अनेक सुविधाएं हो सकती हैं। जनकपुर इलाके में रामगढ़ नाम का स्थान हैं। यहां से भगवान राम ने दण्डकारण्य में प्रवेश किया था और हंसदेव नदी के किनारे जाकर किया था। यहां बहुत नदियों का जाल बिछा हुआ है इसलिए सब पर बांध होना चाहिए ताकि सिंचाई की सुविधा मिल सके। सरकार को इस बात का ध्यान रखना होगा।